

प्रारूप-6
प्रारम्भिक संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट का प्रारूप

आज दिनांक 9/12/2019 को प्रा० ख० लो० नि० वि० पिथौरागढ़ (एजेन्सी का नाम) के द्वारा पिथौरागढ़ के अंतर्गत जाजरदेवल मूलागाड़ केली (सेली) तक बनाये जाने वाले मार्ग/प्रस्तावित परियोजना को बनाये जाने हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री सगदीश सिंह बिष्ट, वन दरोगा, राजस्व विभाग की ओर से पटवारी, प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री हर्षित जोशी कनिष्ठ अभियन्ता अन्य दावेदारों की ओर से श्री गणेश कुमार वर्क एजेंट तथा स्थानीय प्रतिनिधि के रूप में श्री रामेश्वर राय ग्राम प्रधान के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनों के चयन हेतु भाग लिया गया।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक मितव्यता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें **3000 (मी०) नाप भूमि.से, 1000 (मी०) सिविल भूमि से, शून्य (मी०) वन पंचायत से, शून्य (मी०) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखन/स्थल के चयन में कुल 3.60 हे० नाप भूमि, 2.700 हे०, 0.900 हे० सिविल भूमि, 0.00 हे० वन पंचायत भूमि शून्य हे० आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी।** जिनमें से कुल **0.900 हे०** भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर/चुने गये स्थल पर लगभग शून्य वृक्ष विभिन्न प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से शून्य बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

इस समरेखन के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखन देखे गये उसमें **2500 (मी०) नाप भूमि.से, 1500 (मी०) सिविल भूमि से, शून्य (मी०) वन पंचायत से, शून्य (मी०) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखन/स्थल के चयन में कुल 3.60 हे० नाप भूमि 2.250 हे०, 1.350 हे० सिविल भूमि 0.00 हे० वन पंचायत भूमि शून्य हे० आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी।** जिनमें से कुल **1.350 हे०** भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर/चुने गये स्थल पर लगभग शून्य वृक्ष विभिन्न प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से शून्य बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं है तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

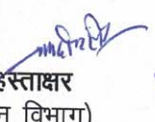
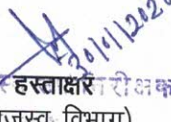
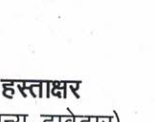
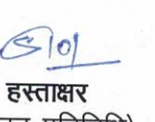
चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखन आरक्षित वन — कक्षों से गुजरेगा/में स्थित है। इन कक्षों की वर्तमान वन आच्छादन — है एवं इन कक्षों में — प्रजाति के वन हैं। प्रभावित होने वाली नाप भूमि पर विशिष्ट प्रजाति के वन हैं एवं प्रभावित होने वाली सिविल तथा नाप भूमि पर विशिष्ट प्रजाति के वन हैं जिनका वर्तमान वन आच्छादन है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल का GPS मान **29°36'35.55"N, 80°14'3.47"E** है तथा यह स्थल पत्थरखानी से प्रारम्भ होता है तथा समरेखन का अन्तिम स्थल विजरकाण्डा है जिसका GPS मान **29°36'25.66"N, 80°14'58.14"E** है। चुने गये समरेखन/स्थल के बीच के स्थलों के GPS मान. 1- **29°36'33.52"N, 80°14'42.53"E**, 2- **29°36'30.42"N, 80°14'42.23"E**, हैं।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखन किसी राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारण्य का हिस्सा है/ नहीं है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखन के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन होगा / नहीं होगा।

इस समरेखन पर मोटर मार्ग के निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा उसके निस्तारण हेतु **3** स्थल उपयुक्त पाये गये हैं जिनका GPS मान 1- **29°36'22.82"N, 80°14'45.56"E**, 2- **29°36'21.14"N, 80°14'46.48"E**, 1- **29°36'27.02"N, 80°14'44.56"E**, 2- **29°36'24.09"N, 80°14'54.09"E**, हैं।

अन्य आवश्यक विवरण — उवरोक्तानुसार

 हस्ताक्षर (प्रयोक्ता एजेन्सी) प्रतिनिधि <u>Goshi</u>	 हस्ताक्षर (वन विभाग) प्रतिनिधि	 हस्ताक्षर (राजस्व विभाग) प्रतिनिधि <u>तह०</u>	 हस्ताक्षर (अन्य दावेदार) प्रतिनिधि	 हस्ताक्षर (जन प्रतिनिधि) प्रतिनिधि	 हस्ताक्षर (ग्राम पंचायत-सलमोड़ा) विकास खण्ड मूलाकाट (पिथौरागढ़)
---	--	--	---	--	---